[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4306 **L**

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad and Geeta (Sanskrit B), AEC

Name of the Course : **COMMON PROG. GROUP**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

समय : 2 घण्टे पूर्णांक : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार सम्भूति तथा असम्भूति की प्रकृति का वर्णन कीजिए । 15
Describe the nature of Sambuti and Asambhuti as depicted in Ishavasyopnishad

अथवा/Or

उपनिषदों की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए ।
Throw light on the subject matter of the Upanishads.

2. ईशावास्योपनिषद् में ज्ञान और कर्म को एक-दूसरे का पूरक बतलाया गया है- स्पष्ट कीजिए । 15
Gyana and Karma have been described as complementary to each other In Ishavasyopanishad. Explain.

अथवा/Or

ईशावास्योपनिषद् के अनुसार आत्मा के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
Describe the nature of Atman as propounded in Ishavasyopnishad.

P.T.O.

3. भगवद्गीता के अनुसार भक्तियोग की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। 15

Analysis the concept of Bhakti Yoga as discussed in Bhagvadgeeta.

अथवा/Or

वर्तमान समय में भगवद्गीता की शिक्षाओं के महत्त्व का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the importance of teachings of Bhagvadgeeta in the present scenario.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 3×5=15

Write short notes on any **three** of the following:

क. तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः - Tena Tyaktena Bhunjithah

ख. सत्य - Satya

ग. स्थितप्रज्ञ - Sthitapragya

घ. ज्ञान योग - Gyana Yoga